Volume 9, Issue 107, March 2023

News

Gaura Purnima Celebration (26th Feb – 8th Mar) (ISKCON, East of Kailash)

Gaura Purnima festival 2023, was observed through programs spread over more than a week. A shobha yatra was held in New Friends Colony, on 26th February. Sri Sri Gaura-Nitai, accompanied by chanting and dancing devotees, went out on the streets to give darshans to the people. They were welcomed by devotees with artis and bhoga. Prasadam was distributed in large quantities.

On the 6th of March, Their Lordships were taken around the campus. The temple appeared to be a spiritual planet, with devotees chanting and dancing enthusiastically. The Lord was welcomed at various points of the campus, where devotees offered bhoga and performed arti.

समाचार

गौर पूर्णिमा उत्सव (26 फरवरी - 8 मार्च) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

गौर पूर्णिमा उत्सव 2023, एक सप्ताह से अधिक समय तक चलने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया गया। 26 फरवरी को न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में शोभा यात्रा निकाली गई। श्री श्री गौर-निताई, जप एवं नृत्य करने वाले भक्तों के साथ, लोगों को दर्शन देने हेतु सड़कों पर निकले। श्रद्धालुओं ने आरती और भोग लगाकर उनका स्वागत किया। भारी मात्रा में प्रसाद वितरण भी किया गया।

6 मार्च को, हमारे आराध्य देव को परिसर के चारों ओर ले जाया गया। मंदिर एक आध्यात्मिक ग्रह की भाँती प्रतीत हो रहा था, जहाँ भक्तगण उत्साहपूर्वक जप और नृत्य कर रहे थे। परिसर के विभिन्न स्थानों पर भगवान का स्वागत किया गया, जहाँ भक्तों ने भोग लगाया और आरती उतारी।

A week-long Gaura Katha was organized at the temple. Devotees attended it enthusiastically, to prepare their minds for the upcoming appearance day of the Lord.

The Adivasa ceremony for the festivities of Gaura Purnima was conducted on the eve of the auspicious occasion. Recitation of Vedic chants and Harinama reverberated all over the temple hall. Hundreds of devotees attended this ceremony.

Gaura Purnima was celebrated on 8th March with a resplendent abhishek amidst resounding kirtan. Devotees observed a fast till dusk to immerse their consciousness in the pastimes and teaching of Lord Chaitanya, reading, hearing, and remembering them.

Celebrating Gaura Purnima and Holi
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Like every year, the eve of Gaura Purnima and Holi was special for the devotees at ISKCON Punjabi Bagh. The most auspicious birth anniversary of Sri Chaitanya Mahaprabhu was celebrated with all colors and tones at the temple. At the helm of the celebrations were ecstatic kirtans by H.G. Sharad Bihari Prabhu, H.G. Smita Krsna Prabhu, H.G. Golokanath Prabhu, and H.G. Giriraj Prabhu who came over from Vrindavan to celebrate the festival. The temple was decorated with

मंदिर में सप्ताह भर तक चलने वाली गौर कथा का आयोजन किया गया। भक्तों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया, ताकि अपने मन को भगवान के आने वाले प्राकट्योत्सव हेतु तैयार कर सकें।

गौर पूर्णिमा के उत्सव हेतु, शुभ अवसर की पूर्व संध्या पर आदिवास समारोह आयोजित किया गया था। पूरे मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण और हरिनाम की गूंज सुनाई दी। इस समारोह में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए ।

8 मार्च को कीर्तन की तेज ध्वनि के मध्य अभिषेक के साथ गौर पूर्णिमा मनाई गई। भक्तों ने भगवान चैतन्य की लीलाओं और उपदेशों में अपनी चेतना को आप्लावित करने के लिए, उन्हें पढ़ने, सुनने और याद करने हेतु शाम तक उपवास रखा।

गौर पूर्णिमा एवं होली उत्सव
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

प्रतिवर्ष की भाँति इस्कॉन पंजाबी बाग में गौर पूर्णिमा एवं होली की संध्या भक्तों हेतु विशेष रही। श्री चैतन्य महाप्रभु की परम पावन जयंती मंदिर में सभी राग-रंगों के साथ मनाई गई। समारोह में शीर्ष पर श्रीमान श्रीमान शरद बिहारी प्रभु, श्रीमान स्मिता कृष्ण प्रभु, श्रीमान गोलोकनाथ प्रभु, और श्रीमान गिरिराज प्रभु, जो वृंदावन से उत्सव मनाने के लिए आए थे, के उल्लासपूर्ण कीर्तन रहे । मंदिर को इस्कॉन गर्ल्स फोरम , हरे कृष्ण संडे स्कूल, मंडली के भक्तों आदि द्वारा कई स्टालों से सजाया गया था। प्रत्येक स्टाल ने मंदिर में आगन्तुक भक्तों और निवासी भक्तों की प्रसन्नता हेतु कई गतिविधियों की मेजबानी की।

3) गौर पूर्णिमा महोत्सव (5-8 मार्च)
(इस्कॉन, द्वारका)

महा-हरिनाम यात्रा (5 मार्च)

"स्वर्ण कृष्ण" गौरांग महाप्रभु के अवतरण दिवस का एक विशाल उत्सव के साथ स्वागत किया गया। उत्सव आरम्भ करने हेतु, द्वारका के

several stalls from the ISKCON Girls Forum, Hare Krishna Sunday School, Congregation devotees, etc. Each stall hosted many activities for the pleasure of the visiting and residents of the temple.

Gaura Purnima Mahotsava (5th – 8th Mar) (ISKCON, Dwarka)

Maha-Harinaam Yatra (5th Mar)

"Swarna Krishna" Gauranga Mahaprabhu's appearance day was welcomed with a huge celebration. To start the celebration, a shobha yatra was organized all around Dwarka. Devotees were chanting and dancing to the tunes of Hare Krishna maha-mantra. Enthusiastic sankirtan and devotees dancing were mesmerizing. The Lord came to shower mercy on every soul and this was seen practically as many people came out of their homes to get a glimpse of the ever-merciful Lord and His blissful devotees.

Maha Mahotsav (7-8th March)

The festival was celebrated with great pomp. The festival started with hearing the glories of Lord Shri Chaitanya Mahaprabhu. Various stalls were organized to engage the visiting people in Krishna-conscious activities. In the evening time, maha-abhishek and arati were performed. On 8th March a special phoolon Ki holi was organized. H.G. Gaura Mani Mataji, the world-renowned kirtaniya, served the devotees with mesmerizing kirtan. Everyone was chanting and dancing to the tunes of the holy name.

Gaura Purnima Celebrations (7th Mar) (Hare Krishna Centre, ISKCON East Delhi)

The grand celebration for the auspicious festival of Gaura Purnima involved various activities and sight-worthy events. Gaura Purnima is the appearance day of Lord Sri Chaitanya Mahaprabhu, the golden incarnation of the Supreme Lord. The Lordships were offered an elaborate abhishek. The celebration was grand, Sri Sri Gaura-Nitai were dressed beautifully and so was everybody else. Some stalls distributed books like Srimad-Bhagavatam and Caitanya-Caritamrita on this very auspicious day. H.G. Vichitra Krishna Prabhu glorified the pastimes of Sri Chaitanya Mahaprabhu and explained the purpose of the descent of the most merciful Lord. He also elaborated on our great fortune to have taken human birth in the yuga when Sri Gaurahari appeared and spread the glory of the holy name. The crowd of 5000 danced and sang to the sounds of the kirtan while the

चारों ओर एक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें भक्तगण हरे कृष्ण महा-मंत्र की धुनों पर जप और नृत्य कर रहे थे। उत्साहपूर्ण संकीर्तन व नृत्य करते श्रद्धालु मंत्रमुग्ध कर रहे थे। भगवान प्रत्येक जीवात्मा पर दया करने हेतु अवतरित हुए थे और यह व्यावहारिक रूप से देखा गया कि बहुत से लोग दयालु भगवान और उनके आनंदित भक्तों की एक झलक पाने के लिए अपने घरों से बाहर निकले ।

महा महोत्सव (7-8 मार्च)

पर्व धूमधाम से मनाया गया। उत्सव का शुभारम्भ भगवान श्री चैतन्य महाप्रभु की महिमा श्रवण के साथ हुआ । आगन्तुकों को कृष्णभावना भावित गतिविधियों में शामिल करने हेतु विभिन्न स्टालों का आयोजन किया गया। संध्या समय में महाअभिषेक व आरती की गई। 8 मार्च को विशेष फूलों की होली का आयोजन किया गया। विश्वविख्यात कीर्तनिया श्रीमान गौर मणि माताजी ने मंत्रमुग्ध कर देने वाले कीर्तन से भक्तों की सेवा की। हर कोई पवित्र हरिनाम की धुन पर जप और नृत्य कर रहा था।

गौर पूर्णिमा समारोह (7 मार्च) (हरे कृष्ण केंद्र, इस्कॉन पूर्वी दिल्ली)

गौर पूर्णिमा के पावन पर्व हेतु भव्य उत्सव में विभिन्न गतिविधियां और देखने योग्य कार्यक्रम शामिल थे। गौर पूर्णिमा, परम भगवान् के स्वर्णिम अवतार, भगवान श्री चैतन्य महाप्रभु का आविर्भाव दिवस है। भगवान् का विस्तृत अभिषेक किया गया। यह एक भव्य उत्सव था, श्री श्री गौर-निताई सुंदर पोशाक धारण किये थे और अन्य सभी ने भी सुन्दर पोशाकें पहनी थीं। इस पावन दिवस पर श्रीमद-भागवतम और श्री चैतन्य-चरितामृत जैसी पुस्तकें वितरित करने वाले स्टॉल भी थे। श्रीमान विचित्र कृष्ण प्रभु ने श्री चैतन्य महाप्रभु की लीला की महिमा श्रवण कराई और परम दयालु भगवान के अवतरण के उद्देश्य को समझाया। उन्होंने इस युग में मानव

Lordships were showered with 1100 kgs of flower petals, in different colors. After this, the maha-petals were showered on the crowd and everyone enjoyed playing flower holi. It was the most wonderful sight as the devotees threw flower petals in the air while chanting the name of Gauranga. The devotees were overjoyed and danced for hours. Lastly, there was a delicious feast prasadam for everyone to relish and to make the event a memorable one. The aesthetic and alluring decorations added a concluding detail of holistic commemoration to the entire event.

Sankirtan on Streets & Roads (8th Mar)
(ISKCON, Rohini)

Sankirtan in the morning on 'Gauranga Mahaprabhu's Appearance Day' on the streets & roads of Sector- 8, Rohini made everyone ecstatic. What H.G. Aja Nimai Prabhu, senior congregational preacher of the temple, had started around a decade ago has now turned into a mass of staunch devotees. H.H. Bhakti Ashraya Vaishnava Swami Maharaja, H.G. Rukmini Krishna Prabhu, H.G. Vrajendra Nandan Prabhu, and H.G. Keshav Murari Prabhu were some of the eminent personalities who graced the occasion with their divine presence. H.H. Bhakti Ashraya Vaishnava Swami Maharaja addressed the audience too with his nectarean words & also wished everyone auspicious Gaura Purnima.

जन्म लेने के हमारे महान सौभाग्य के विषय में भी विस्तार से बताया जिसमें श्री गौरहरि प्रकट हुए और पवित्र नाम की महिमा का प्रसार किया। 5000 भक्तों की भीड़ ने कीर्तन की धुन पर नृत्य और गायन किया, जबकि भगवान पर विभिन्न रंगों के 1100 किलोग्राम फूलों की पंखुड़ियां बरसाई गईं। इसके पश्चात लोगों पर महा(प्रसादी) -पंखुड़ियों की वर्षा की गई और सभी ने फूलों की होली खेली। यह सबसे अद्भुत दृश्य था क्योंकि भक्तों ने भगवान गौरांग के नाम का कीर्तन करते हुए हवा में फूलों की पंखुड़ियां फेंकी। घंटों तक श्रद्धालु कीर्तन पर नाचते और झूमते रहे। अंत में, इस कार्यक्रम को स्मरणीय बनाने और सभी के आनंद हेतु एक स्वादिष्ट भोज प्रसादम भी था। सौंदर्यपूर्ण और आकर्षक सजावट ने पूरे आयोजन में समग्र महोत्सव का समापन विवरण जोड़ा।

गलियों और सड़कों पर संकीर्तन (8 मार्च)
(इस्कॉन, रोहिणी)

गौरांग महाप्रभु के प्राकट्य दिवस पर सुबह सेक्टर-8 की गलियों व सड़कों पर संकीर्तन से इस्कॉन रोहिणी ने सभी का मन मोह लिया। मंदिर के वरिष्ठ गृहस्थ मण्डली के उपदेशक श्रीमान अज निमाई प्रभु ने लगभग एक दशक पहले जो शुरू किया था, वह अब अनन्य भक्तों के समूह में बदल गया है। परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज, श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु, श्रीमान व्रजेंद्र नंदन प्रभु, और श्रीमान केशव मुरारी प्रभु कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपनी दिव्य उपस्थिति के साथ इस अवसर की शोभा बढ़ाई। परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज ने श्रोताओं को अपने अमृतमय शब्दों से संबोधित किया और सभी को गौर पूर्णिमा की शुभकामनाएं भी दीं।

A Special Exhibition by the Kids of Krsna (8th Mar)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

A special exhibition was organized by the students of Hare Krishna Sunday School on the theme of "Holynames: Invaluable Gift of Lord Chaitanya" at ISKCON Punjabi Bagh. The teachers along with students worked hard to conceptualize and put up an exhibition for the community. The exhibition was versatile with many different concepts under one roof. From games to storytelling, from dramas to food - all were made possible under one roof by the kids and the sweetest devotees at ISKCON Punjabi Bagh.

A Day Trip to the Vedic World
(ISKCON, Punjabi Bagh)

IYF Punjabi Bagh organized a day trip to Vedic Expo at ISKCON Delhi Temple with 45 enthusiastic devotees. Most of them were UPSC Aspirants. The trip began with a session by H.G. Vaikuntha Vraj Prabhu. The session was centered on the topic - 'Spirituality as the most practical solution to problems. The session was followed by questions & conversations and a sumptuous prasadam. After this, the students moved to the East of Kailash temple to see the Vedic Expo. The depiction of the Bhagavad-Gita using world-class technology and the world's biggest Bhagavad-Gita left the students mesmerized. The students sang and danced to the holy names while having darshans of Sri Sr Radha- Parthasarathi.

कृष्ण भावनाभावित बच्चों द्वारा एक विशेष प्रदर्शनी (8 मार्च)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग में हरे कृष्ण रविवारीय विद्यालय के छात्रों द्वारा "हरिनामः भगवान चैतन्य का अमूल्य उपहार" विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी अवधारणा बनाने एवं समुदाय हेतु एक प्रदर्शनी लगाने में कड़ी मेहनत की। एक ही छत के तले कई विभिन्न अवधारणाओं के साथ यह बहुमुखी प्रदर्शनी थी। खेल से लेकर कहानी कहने तक, नाटक से लेकर भोजन तक - सब कुछ एक ही छत तले संभव हो सका, इस्कॉन पंजाबी बाग में बच्चों और परम प्यारे भक्तों द्वारा।

वैदिक जगत की एक दिवसीय यात्रा
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

IYF पंजाबी बाग ने 45 उत्साही भक्तों के साथ इस्कॉन दिल्ली मंदिर में वैदिक एक्सपो की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया। उनमें से ज्यादातर यूपीएससी पदाभिलाषी थे। यात्रा का आरम्भ श्रीमान वैकुंठ व्रज प्रभु के सत्र द्वारा हुआ । सत्र 'समस्याओं के सबसे व्यावहारिक समाधान के रूप में-अध्यात्म' विषय पर केंद्रित था। सत्र के उपरान्त प्रश्नोत्तर एवं वार्तालाप तत्पश्चात एक शानदार भोज प्रसादम हुआ। इसके बाद, छात्र वैदिक एक्सपो देखने हेतु ईस्ट ऑफ़ कैलाश मंदिर चले गए। विश्व स्तरीय तकनीक का उपयोग करते हुए भगवद-गीता के चित्रण और संसार की सबसे बड़ी भगवद-गीता ने छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने श्री श्री राधा- पार्थसारथी के दर्शन करते हुए पवित्र हरिनाम को गाया और नृत्य किया।

नामहट्ट पुस्तक वितरण पुरस्कार समारोह (12 मार्च)
(नमहट्ट, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

पुस्तक वितरण प्रभु को अत्यंत प्रिय है। श्रील प्रभुपाद ने इसे अपने आध्यात्मिक गुरु, श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर के निर्देश पर चुना, जिन्होंने इस गतिविधि को 'बृहद मृदंग' नाम दिया। गुरु परम्परा को सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिवर्ष भक्तगण वार्षिक मैराथन के दौरान पुस्तक वितरण में शामिल होते हैं। 12मार्च को पुस्तक वितरण में नामहट्ट भक्तों के प्रयासों की सराहा गया। श्रीमान बलभद्र प्रभुजी द्वारा उपहार प्रदान किये गए एवं प्रोत्साहन के वाक्य प्रस्तुत किए गए। बड़ी संख्या में भक्तजन एकत्रित हुए, वरिष्ठ भक्तों की संगति का आनंद लिया और एक साथ प्रसाद ग्रहण किया।

Namahatta Book Distribution Award ceremony
(12th March)
(Namahatta, ISKCON East of Kailash)

Book distribution is very dear to the Lord. Srila Prabhupada took it up on instructions from his spiritual master, Srila Bhakti Siddhanta Sarasvati Thakura who christened this activity as 'brhd mridanga'. Every year devotees engage in book distribution during the annual marathon, to render service to the Guru parampara. On the 12th the Namahatta devotees were appreciated for their efforts in book distribution. Gifts were given out by HG Balabhadra Prabhuji, and words of encouragement were offered. Devotees assembled in large numbers enjoyed the association with senior devotees and honoured prasadam together.

Youth Camp
(ISKCON, Punjabi Bagh)

IYF organized a 2-day camp at the ISKCON Punjabi Bagh Temple. The camp saw participation from over 70 enthusiastic devotees. The camp started on the evening of the 25th Feb. Devotees started with a sumptuous feast followed by an evening of kirtans and Vaishnava songs. Through the two days, the camp followed the topic - 'Effect and mood of chanting the holy name' addressed by H.G. Vaikuntha Vraj Prabhu. On the 26th, devotees headed out for Sankirtan on the streets followed by a visit to the Jagannath temple in Hauz Khas. The energy was infectious and many bystanders joined the singing and dancing. The camp ended with Jagannath's Maha prasadam at the temple.

Mayapur Dhama Yatra (18th-25th Mar)
(ISKCON, Dwarka)

The ashraya group under H.G. Amala Krishna Prabhu went to Mayapur dhama for a week-long yatra. The yatra was attended by more than 350 participants. The opening lecture on 'the glories of Mayapur Dhama" and 'the proper mood to approach the dham', fine-tuned the consciousness of the devotees. The yatra involved visiting Mahaprabhu's lila-sthalis. Devotees were thrilled to hear about the pastimes of Sri Caitanya Mahaprabhu. The devotees were surcharged with the zeal of devotion and found the yatra to be a heart-nourishing experience.

Dhama Yatra by IGF devotees (19th March)
(IGF, ISKCON East of Kailash)

Dhama yatra is the most enlivening experience for a devotee. The reminiscing of pastimes of the Lord and imbibing

युवा शिविर
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

IYF ने इस्कॉन पंजाबी बाग मंदिर में 2 दिवसीय शिविर का आयोजन किया। शिविर में 70 से अधिक उत्साही श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शिविर 25 फरवरी की शाम को आरम्भ हुआ। भक्तों ने एक शानदार भोज प्रसादम के साथ कीर्तन और वैष्णव गीतों की संध्या के साथ शुभारम्भ किया। शिविर के दौनों ही दिनों में, 'पवित्र नाम के जप का भाव एवं प्रभाव', इस विषय का अनुसरण किया गया। जिसे श्रीमान वैकुंठ व्रज प्रभु द्वारा संबोधित किया गया था। 26 मार्च को, भक्तगण सड़कों पर संकीर्तन हेतु निकले इसके उपरान्त हौज खास में जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किये। यह ऊर्जा संक्रामक थी और आसपास खड़े कई लोग नृत्य एवं गायन में शामिल हो गए। शिविर का समापन मंदिर में जगन्नाथ के महाप्रसादम के साथ हुआ।

मायापुर धाम यात्रा (18-25 मार्च)
(इस्कॉन, द्वारका)

श्रीमान अमल कृष्ण प्रभु के नेतृत्व में आश्रय समूह एक सप्ताह की यात्रा हेतु श्री मायापुर धाम पहुँचा। यात्रा में 350 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। 'मायापुर धाम की महिमा' और 'धाम तक पहुँचने की उचित मनोदशा' पर उद्घाटन व्याख्यान ने भक्तों की चेतना को परिष्कृत कर दिया। यात्रा में महाप्रभु की लीला-स्थलियों के दर्शन शामिल थे। श्री चैतन्य महाप्रभु की लीलाओं के विषय में सुनकर भक्त रोमांचित हो गए। भक्तगण, भक्ति के उत्साह से अभिभूत थे और उन्होंने यात्रा को एक हृदय-पुष्टिकारक अनुभव के रूप में पाया।

आईजीएफ भक्तों द्वारा धाम यात्रा (19 मार्च)
(आईजीएफ, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

धाम यात्रा एक भक्त के लिए सबसे जीवंत अनुभव है। भगवान की लीलाओं का स्मरण करना और उनके निर्देशों को आत्मसात करना, भक्तों के आपस में और भगवान के साथ विभिन्न व्यवहारों में, तथा भक्ति के

the instructions in the various dealings of devotees amongst themselves and with the Lord, add flavour and texture to the fabric of bhakti. Around a hundred devotees from IGF and Congregation, visited Vrindavana and Nandgaon on 19th March, under the guidance of H.G. Krishnapriya Prabhu and H.G. Urmila Mataji. The various lila-sthalis came alive through Krishna Katha, and the kirtan and association of senior devotees were like an elixir for spiritual enthusiasts.

Silver Jubilee Celebration of Sri Sri Radha Parthasarathi Temple
(ISKCON, East of Kailash)

Sri Sri Radha Parthasarathi Temple celebrates its 25th year of inauguration, this year. The celebrations were scaled up to glorify the vision of Srila Prabhupada, who envisioned temples as places of worship, centers of education, and seats of training society in spiritual life. As the 'Glory of India', the temple at East of Kailash, has been instrumental in fulfilling the aforementioned roles.

Flag hoisting (19th March)

The celebrations began with the auspicious flag hoisting amidst Vedic chants and kirtan. The pataka was hoisted by His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja, in the presence of senior members of ISKCON management.

Rama Katha (19th - 25th March)

Lord Rama's pastimes are not only instructive but also very relishable. Their narrations fill hearts with devotion and love. Rama Katha was organized in the temple auditorium, to prepare the soil of the heart for the advent of Lord Rama.

Fire Sacrifice (26th March)

A fire sacrifice was conducted to give an auspicious start

ताने-बाने में नया स्वाद एवं रचनात्मकता जोड़ता है। श्रीमान कृष्ण प्रिय प्रभु एवं श्रीमती उर्मिला माताजी के मार्गदर्शन में इस्कॉन बालिका मंच और कांग्रेगेशन के लगभग 100 भक्तों ने 19 मार्च को वृंदावन और नंदगाँव की यात्रा की। कृष्ण कथा के माध्यम से विभिन्न लीला-स्थलियाँ सजीव हो उठीं तथा आध्यात्मिक उत्साही लोगों हेतु कीर्तन और वरिष्ठ भक्तों की संगति अमृत के समान थी।

श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर का रजत जयंती समारोह
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर इस वर्ष अपने उद्घाटन का 25वां वर्ष मना रहा है। समारोह को श्रील प्रभुपाद की दृष्टि का महिमामंडन करने हेतु विस्तारित किया गया, जिन्होंने मंदिरों को पूजा के स्थानों, शिक्षा के केंद्रों और आध्यात्मिक जीवन में प्रशिक्षित समाज की बैठक के रूप में देखा था। 'भारत के गौरव' के रूप में, ईस्ट ऑफ़ कैलाश स्थित यह इस्कॉन मंदिर, उपरोक्त भूमिकाओं को पूरा करने में सहायक रहा है।

ध्वजारोहण (19 मार्च)

समारोह का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चारण और कीर्तन के मध्य ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस्कॉन प्रबंधन के वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में, परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा पताका को फहराया गया।

राम कथा (19-25 मार्च)

भगवान राम की लीलाएं न केवल शिक्षाप्रद हैं बल्कि बहुत आनंददायक भी हैं। उनकी कथाएं हृदयों को भक्ति और प्रेम से भर देती हैं। भगवान राम के आगमन के लिए हृदय को प्रेम पूर्ण बनाने हेतु मंदिर के सभागार में रामकथा का आयोजन किया गया।

हवन यज्ञ (26 मार्च)

उत्सव की शुभ शुरुआत के लिए हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ का संचालन करने के लिए विशेष रूप से इस्कॉन मायापुर से परम पूज्य भक्ति आर्जव प्रीति वर्धन महाराज और परम पूज्य कृष्ण चैतन्य प्रभु आए। इस यज्ञ में अनेक भक्तों ने भाग लिया।

to the festivities. H.H. Bhakti Arjava Pritivardhana Maharaja and H.G. Krishna Chaitanya Prabhu specifically came from ISKCON Mayapur to conduct this yajna. Many devotees participated in this yajna.

Youth Festival (26th March)

India is a young nation, raring to surge into the future. To provide a direction and a suitable foundation for the youngsters, a youth festival with drama, quiz, debate, and discussion, was held on 26th March. The chief guest was Shri Anurag Thakur (Minister of Sports, Youth Affairs and Minister of Information and Broadcasting). He spoke about the important role ISKCON plays in the life of youngsters. H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja also spoke on the importance of Krsna consciousness. H.H. Badrinarayana Swami Maharaja also addressed the audience. This festival was also graced by many stalwart devotees from all over India. Thousands of youngsters from all across the city participated enthusiastically.

Congregational Festival (27th March)

The congregation devotees of a temple are its backbone, supporting through service, donations, and book distribution. A special program was organized for the congregation devotees, on the occasion of the temple's silver jubilee. Devotees enjoyed kirtan, drama, and discourses by H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja, H.H. Lokanatha Maharaja, Shri J.P. Nadda (president of the Bharatiya Janata Party) and Shrimati Hema Malini (Indian actress, director, producer, and politician). Many other devotees who have been involved in the construction of the temple shared details about specific areas of their involvement. The program was attended by thousands of congregational devotees.

यूथ फेस्टिवल (26 मार्च)

भारत एक युवा राष्ट्र है, जो भविष्य में आगे बढ़ने हेतु उत्साहित है। युवाओं को इस दिशा में उपयुक्त आधार प्रदान करने हेतु 26 मार्च को नाटक, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और चर्चा के साथ एक युवा उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री अनुराग ठाकुर (खेल, युवा मामले मंत्री और सूचना और प्रसारण मंत्री) थे। उन्होंने युवाओं के जीवन में इस्कॉन की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने भी कृष्ण भावनामृत के महत्व पर बात की। परम पूज्य बद्रीनारायण स्वामी महाराज ने भी श्रोताओं को संबोधित किया। इस त्यौहार में पूरे भारत के कई दिग्गज भक्तों की उपस्थिति भी देखी गई। इसमें शहर भर से हजारों की संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इसमें शहर भर के सैकड़ों युवाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

सामूहिक उत्सव (27 मार्च)

एक मंदिर की भक्त मण्डली इसकी रीढ़ हैं, जो सेवा, दान और पुस्तक वितरण के माध्यम से समर्थन करते हैं। मंदिर की रजत जयंती के अवसर पर भक्तमंडल के सदस्यों हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने कीर्तन, नाटक व प्रवचन का लाभ लिया । भक्तों ने परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज, परम पूज्य लोकनाथ महाराज, श्री

Donors' Festival (28th March)

On the 28th of March, a program was organized for the donors, who support the temple. This festival was

जे.पी. नड्डा (भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष) और श्रीमती हेमा मालिनी (भारतीय अभिनेत्री, निर्देशक, निर्माता और राजनीतिज्ञ) के कीर्तन, नाटक और प्रवचनों का आनंद लिया। मंदिर के निर्माण में शामिल कई अन्य भक्तों ने अपनी भागीदारी के विशिष्ट क्षेत्रों के बारे में विवरण साझा किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में गृहस्थ भक्त शामिल हुए।

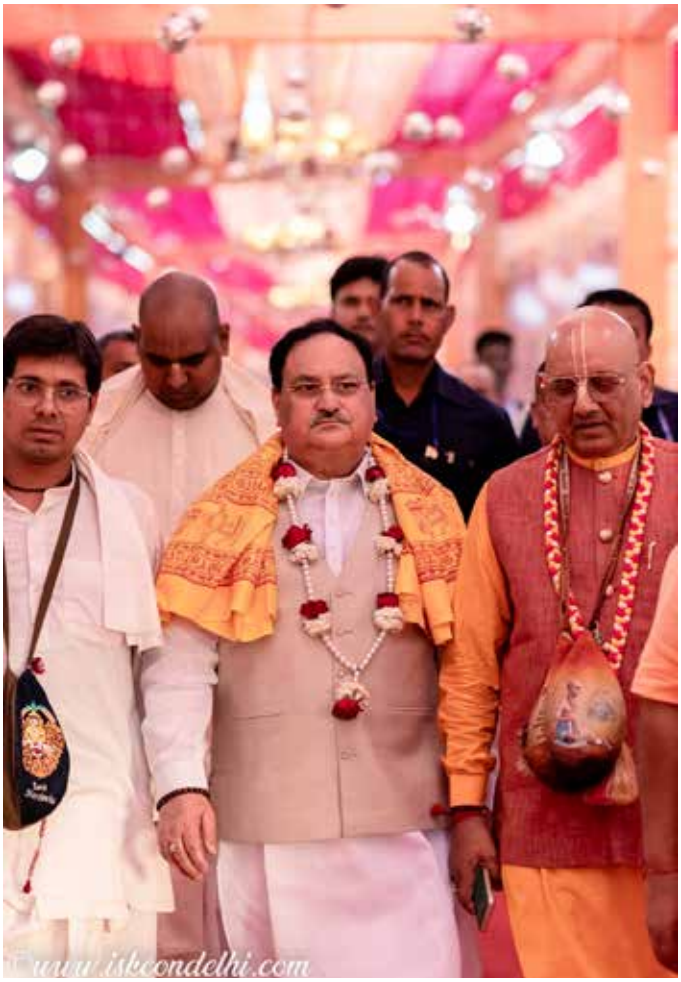

दानदाता उत्सव (28 मार्च)

28 मार्च को मंदिर को सहयोग देने वाले दानकर्ताओं हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह त्योहार प्रभुपाद के निर्देशों के सम्मान में था, जिन्होंने कहा था कि भगवद प्रचार के कार्य में समर्थन करने वालों का सम्मान किया जाना चाहिए। इस दिन भव्य प्रसादम, कीर्तन, सांस्कृतिक उत्सव आदि कार्यक्रम सूचीबद्ध थे।

कीर्तन मेला और आदिवास (29 मार्च)

कीर्तन इस युग का युगधर्म है, अतः सभी उत्सवों में यह महत्वपूर्ण

in honor of the instructions of Prabhupada, who said anyone supporting the cause of preaching is to be revered. Sumptuous prasadam, kirtan, and cultural festivities were on the agenda on this day.

Kirtan Mela and Adivasa (29th March)

Kirtan is the yuga dharma of this age, therefore, it occupies an important place in all festivals. A kirtan mela was held in the temple hall on 29th March. Devotees attended in large numbers. An Adivasa ceremony preceded the Kirtan Mela, which invoked all auspiciousness through Vedic chants and other invocations. More than 2500 bhoga offerings were offered to the Lordships.

स्थान रखता है। 29 मार्च को मंदिर प्रांगण में कीर्तन मेला का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हुए। कीर्तन मेले से पूर्व एक आदिवास समारोह हुआ, जिसमें वैदिक मंत्रों और अन्य आह्वानों के माध्यम से सभी मंगलों का आह्वान किया गया। भगवान को 2500 से अधिक भोग अर्पित किये गए ।

रामनवमी महाभिषेक (30 मार्च)

भगवान राम के प्राकट्य के परम पावन अवसर पर मंदिर की तीनों वेदियों में महाभिषेक का आयोजन किया गया। राम नवमी ही वह दिन था जब श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर का लोकार्पण किया गया था। एक

शानदार कीर्तन, नाचते हुए भक्तों और सुंदर पोशाकें पहने भगवद विग्रहों द्वारा हजारों श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। संध्या को पंडाल में रॉक शो, डांस और ड्रामा के साथ विस्तृत कार्यक्रम हुआ।

पूरा महोत्सव एक बड़ी सफलता थी। उत्सव के प्रत्येक दिन विभिन्न

Rama Navami maha-abhishek (30th March)

A maha-abhishek was organized on the occasion of the appearance of Lord Rama, at all three altars of the temple. Rama Navami was the day when Sri Sri Radha Parthasarathi Temple was inaugurated. A resounding kirtan, dancing devotees, and beautifully dressed deities welcomed thousands of guests. In the evening there was a pandal program with a rock show, dance, and drama.

The entire festival was a great success. Rama-lila by different groups were organized on each day of the festival. Devotees and guests were served sumptuous prasadam. Various gifts were given to the devotees and many guests and devotees who have played an important role during the temple construction were felicitated.

Rama Kirtan Utsav (26th Mar) (ISKCON, Dwarka)

For the Rama Navami celebration, Rama Kirtan Utsav was organized. The special kirtan was led by H.G. Krishna Kishora Prabhu from the Mayapuris Band.

The bliss of Nirmalaya! (ISKCON, Punjabi Bagh)

Concentrating on the transcendental form of the Lordships & darshan of the deities at the temple bestows all auspiciousness and eradicates contaminations; what to speak of the benefits of keeping the temple deities' dresses, peacock feathers, chamar, utensils, etc. at home. NIRMALAYA is an initiative by H.G. Vallabh Vishaka mataji that came into being about 12 years ago. She has a dedicated

समूहों द्वारा राम-लीला का आयोजन किया गया। भक्तों और अतिथियों को स्वादिष्ट प्रसाद परोसा गया। भक्तों को तरह-तरह के तोहफे दिए गए और मंदिर निर्माण के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कई मेहमानों और भक्तों को सम्मानित किया गया।

राम कीर्तन उत्सव (26 मार्च) (इस्कॉन, द्वारका)

राम नवमी के उपलक्ष्य में राम कीर्तन उत्सव का आयोजन किया गया। इस विशेष कीर्तन का नेतृत्व मायापुरीस बैंड के श्रीमान कृष्ण किशोर प्रभु ने किया।

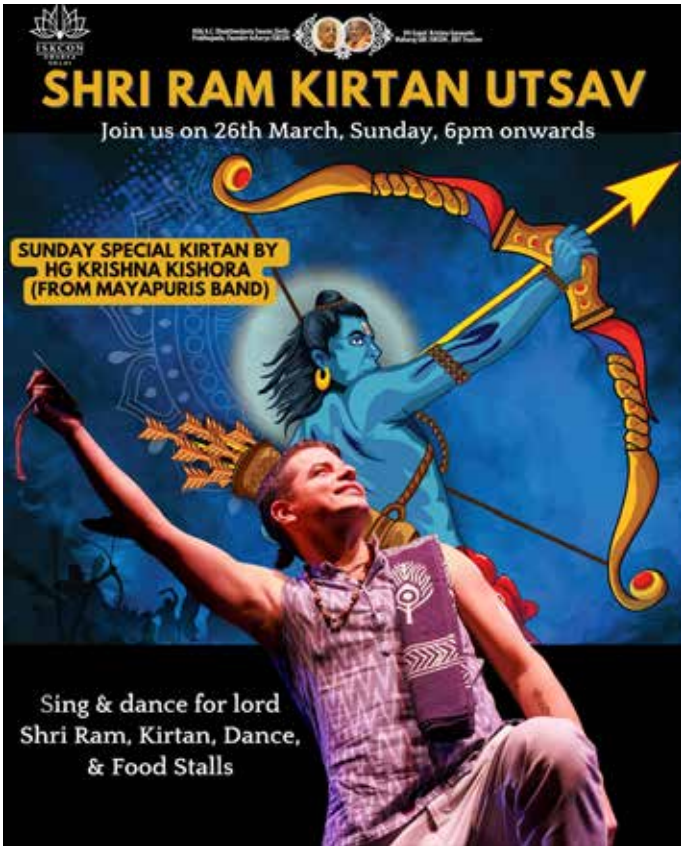

निर्माल्य का आनंद !! (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भगवान के दिव्य रूप पर ध्यान केंद्रित करने एवं मंदिर में भगवद विग्रहों के दर्शन करने से सर्वमङ्गल प्राप्त होता है और मलीनता दूर होती है; तो फिर, मंदिर के विग्रहों के वस्त्र, मोर पंख, चामर, बर्तन आदि घर में रखने से होने वाले लाभ का तो कहना ही क्या है, निर्माल्य :- श्रीमती वल्लभ विशाखा माताजी की एक पहल है जो लगभग 12 वर्ष पूर्व अस्तित्व में आई

Continue on page 16

LORD RAMA,

rishna.com Copyright © Bhaktivedanta Book Trust Int'l, Inc.

THE VALIANT KING

In the age known as Treta Yuga, the Supreme Personality of Godhead Sri Krishna appeared as the avatar Rama, the valiant king, setting the standard for heroism, morality, and good governance. The story of Lord Rama is told in the epic Ramayana.

Lord Rama appeared in the dynasty of the Sun god, as the son of King Dasharatha and Queen Kaushalya of Ayodhya. He was heir to the throne of greater India and had three younger brothers, Bharata, the son of Rama's stepmother Kaikeyi, and the twins Lakshman and Shatrughna. Under the tutelage of His guru Vishvamitra, Rama studied martial arts and defeated many demons. In a contest of heroes to win the hand of the beautiful Princess Sita, Rama was victorious. He lifted, strung, and broke the mighty bow of Lord Shiva, which other contestants could not even move. Princess Sita gladly accepted Rama as her husband and there was a magnificent wedding. All was well in Ayodhya and Rama was about to be crowned king upon his father's retirement, when...

A jealous hunchback maidservant named Mantara convinced her mistress, Queen Kaikeyi, Dasharatha's favorite wife and Rama's stepmother, to make good on a promise the king had given her years earlier. It so had come to pass that Kaikeyi had rescued the injured king from a battlefield and nursed him back to health. At that time, Dasharatha had promised Kaikeyi a boon: anything she asked, he would oblige. Mantara convinced Kaikeyi that now, on the eve of Rama's coronation, was the time to cash in on that promise. Ask the king to exile Rama to the forest for fourteen years and elect her son Bharata to the throne instead.

King Dasharatha was beside himself and heartbroken. He pleaded with Kaikeyi, but the selfish queen would not budge. The king, duty-bound, had to fulfill her demands. Rama accepted the order of His father and moved to the forest, along with His younger brother Lakshman, and his wife Sita. The citizens of Ayodhya were dumbfounded. They felt as if the lights of their hearts had been extinguished. Soon thereafter, King Dasharatha passed away from grief. Kaikeyi and Mantara, needless to say, became objects of contentment. Kaikeyi's son Bharata refused to accept the throne and decided to wait out the 14-year exile until his beloved elder brother's return. At Rama's request, however, he governed Ayodhya in His absence, installing Rama's shoes on the throne.

During their stay in the forest, Rama, Sita, and Lakshman had many adventures and encountered many demons. Once, a she-demon tried to woo the handsome

Rama and assault the pretty Sita. When the attack became physical, Lord Rama quickly intervened and cut off her nose and ears. She was Shurpanakha, the sister of the evil demon King Ravana. Hearing of his sister's mutilation, Ravana prepared to seek revenge. He sent a magical golden deer to tempt Sita, who asked Rama to catch it for her. Ravana took advantage of Rama's absence and kidnapped Sita. When the brothers discovered that Sita was missing, they searched for her throughout the forest. Eventually, they came upon an old eagle named Jatayu, who informed them that Ravana was the culprit.

Rama and Lakshman journeyed south towards Lanka, Ravana's capital. Along the way, they befriended Sugriva and Hanuman, leaders of the monkey armies. With their help, Rama and Lakshman constructed a bridge across the ocean from India's southernmost tip to the island of Lanka and attacked Ravana and the demon soldiers. At the end of a ferocious battle, Lord Rama himself killed the ten-headed demon Ravana.

The Lord rescued Sita and carried her in a flower airplane back to their capital city Ayodhya, where the couple was joyfully received by all and enthroned as king and queen. That joyful day is still celebrated to this day as Diwali, the festival of lights.

The sacred text Srimad-Bhagavatam describes that, as ruler of the world, Lord Rama, the Supreme Personality of Godhead, performed sacrifices, gave charity to the saintly people (brahmanas), and enlightened them from within the cores of their hearts. During His reign, everyone was religious and happy. The forests, rivers, mountains, and seas favorably supplied the necessities of life for all beings. All bodily and mental suffering, disease, old age, bereavement, lamentation, distress, fear, and fatigue were absent. There was even no death for those who did not want it.

Lord Rama taught the world by the example of His life. He took a vow to accept only one wife. He was dutiful, honorable, charitable, and virtuous.

Ways to Celebrate Lord Rama's Appearance Day

Devotees of Krishna celebrate' the appearance day of His avatar, Lord Rama, by fasting until sunset and increasing their hearing and chanting about the Lord's pastimes. One can read the pastimes in the

pages of Srimad-Bhagavatam, Canto 9, Chapters 10-11. You can chant the Hare Krishna Maha-mantra while meditating on the holy name of Rama.

Hare Krishna, Hare Krishna, Krishna Krishna, Hare Hare,
Hare Rama, Hare Rama, Rama Rama, Hare Hare

Great saints explain that the name of the Lord is non-different from the Lord and that by chanting His name we can associate with Him and keep His company. By uttering His name, we invoke His presence.

So, think of Rama. Read about Rama. Hear about Rama. Chant Rama's name. Cook a vegetarian dinner in Rama's honor, offer it to Him with love, and invite friends over to eat the sanctified food (prasadam).

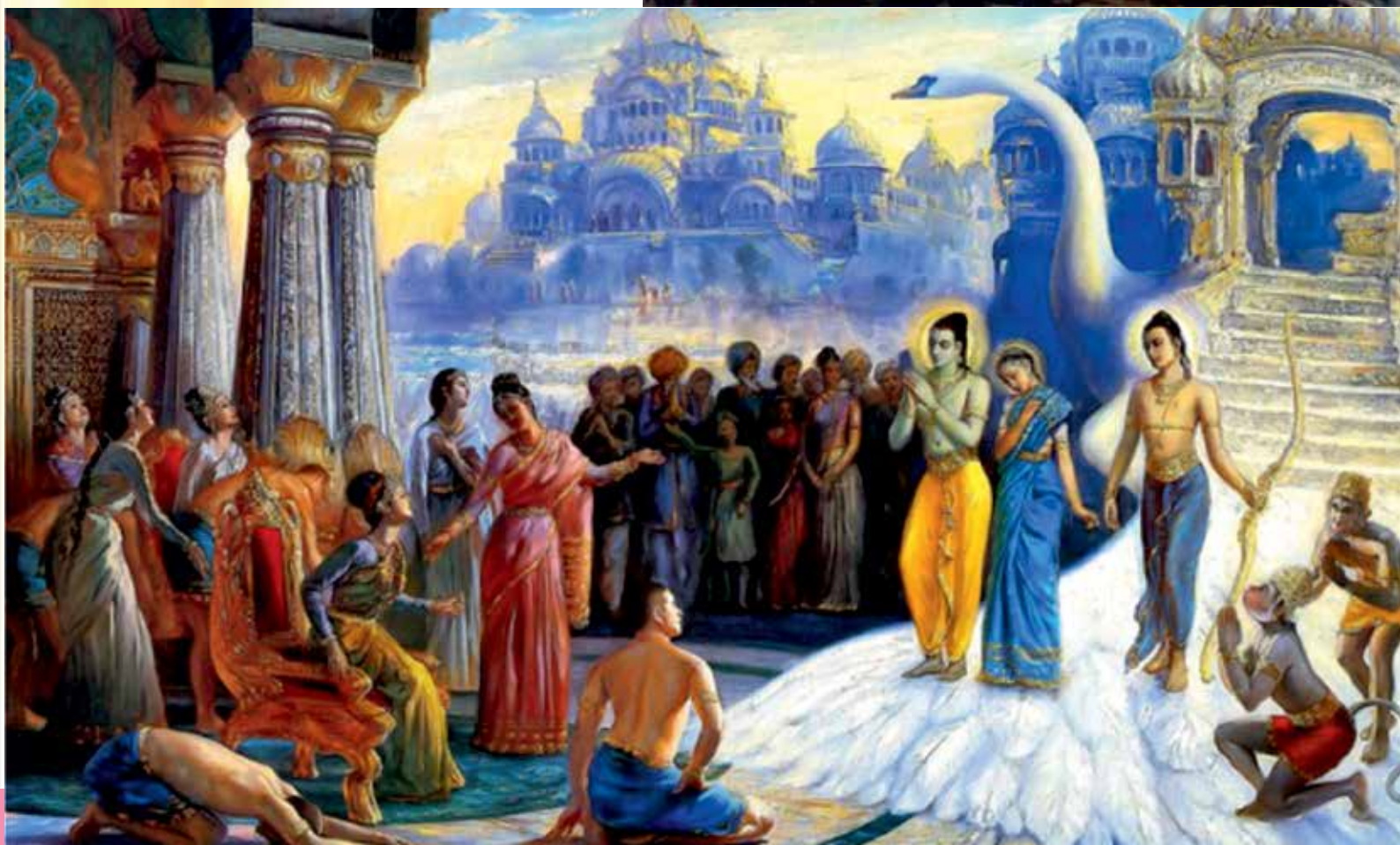

Remaining from page no. 11

team to upcycle & sell the dresses and paraphernalia of the presiding deities of ISKCON Punjabi Bagh. Every Sunday, they put up a stall of Nirmalaya products on the temple premises. Beautiful jewelry, flutes, mats, pouches, glass covers, Tulasi skirts, dresses for home deities, and many other items are on display and for sale. The used utensils of the Lordships were also sold.

थी। उनके पास इस्कॉन पंजाबी बाग के पीठासीन विग्रहों की पोशाकें और सामग्री को अपसाइकिल करने और बेचने हेतु एक समर्पित दल है। प्रति रविवार वे मंदिर परिसर में निर्माल्य उत्पादों का स्टॉल लगाती हैं। सुंदर गहने, बांसुरी, चटाई, पाउच, कांच के कवर, तुलसी स्कर्ट, गृह के विग्रहों हेतु पोशाकें एवं कई अन्य सामान प्रदर्शन और बिक्री हेतु उपलब्ध होता है। भगवान् के उपयोग किए गए बर्तन भी विक्री किये गए।

Upcoming events:

1. Beginning of Tulasi Jala dana (15th April)

The month of Jestha is known for its sweltering heat. During this month, the festival of jala dana is celebrated. A pure devotee of the Lord, Srimati Tulasi devi is offered water, during this intensely warm month. Devotees render this service to an exalted Vaishnava, wishing to seek her favour and mercy.

2. Candana Yatra begins on Akshaya Tritya (23rd April)

Candana yatra is a pastime of the Lord in which He gives his devotee, Madhavendra Puri, a difficult task. Madhavendra Puri is to get candana for his deities from Puri. On his way back, he stops for darshana at Remuna, desiring to taste the kheer offered there, with a desire to replicate it for his Gopal. Embarrassed by this desire to taste it while the Lord is accepting the offering, he slips away undetected. The Lord, however, takes notice of this desire and as an act of appreciation for His great devotee, steals one bowl of kheer, instructing the pujari, later that night, to hand it over to Madhavendra Puri. The Lord does not miss a single opportunity of glorifying His sold-out servant. This Candana yatra is celebrated every year, with devotees preparing candana paste which is applied to the deities, daily. It begins on the auspicious occasion of Akshaya Tritya. Akshay Tritya is a potent,

आगामी कार्यक्रम

1. तुलसी जल दान का आरम्भ (15 अप्रैल)

ज्येष्ठ का महीना प्रचंड गर्मी के लिए जाना जाता है। इस मास में जल दान का पर्व मनाया जाता है। भगवान की शुद्ध भक्त श्रीमती तुलसीदेवी को इस अत्यधिक गर्म महीने के दौरान जल अर्पित किया जाता है। एक उच्च वैष्णव को भक्तजन यह सेवा प्रदान करते हैं, जो अपने लिए उनके पक्ष और दया की कामना करते हैं।

2. चंदन यात्रा अक्षय तृतीया (23 अप्रैल)

चंदन यात्रा भगवान की एक लीला है जिसमें वे अपने भक्त माधवेंद्र पुरी को एक कठिन सेवा सौंपते हैं। माधवेंद्र पुरी को पुरी से अपने विग्रहों के लिए चंदन लाना है। वापसी में अपने मार्ग पर, वह रेमुना में दर्शन हेतु ठहरते हैं और अपने गोपाल के लिए ऐसा ही भोग लगाने की इच्छा के साथ, वहां अर्पित की जाने वाली खीर को चखने की इच्छा रखते हैं। जब भगवान भोग स्वीकार कर रहे हैं, उसी समय इसे चखने की इच्छा से लज्जित होकर, वे बिना बताये ही निकल जाते हैं। यद्दपि, भगवान ने इस इच्छा पर संज्ञान लिया और अपने महान भक्त के प्रशश्ति पूर्ण कार्य के रूप में, खीर का एक कटोरा चुरा लिया, बाद

historical day that is known for many pastimes: the birth of Lord Parshurama, the performance of the Akshaya patra pastimes of Draupadi and Krishna, and the day Satayuga begins. Devotees spend this day multiplying their spiritual credits by performing more and more spiritual activities.

3. Appearance of Srimati Sita Devi (29th April)
(ISKCON, East of Kailash)

Srimati Sita Devi, the eternal consort of Lord Rama, appeared to participate in the pastimes of Lord Rama. She is exemplary in her devotion to the Lord. Her commitment to her service is incomparable. Her appearance will be celebrated with abhishek, kirtan, and feast prasadam.

में, उसी रात्रि पुजारी को स्वप्न में माधवेंद्र पुरी को वह कटोरा सौंपने का निर्देश दिया। भगवान् अपने अनन्य भक्त की महिमा मंडन करने का एक भी अवसर नहीं चूकते। यह चंदन यात्रा प्रति वर्ष मनाई जाती है, जिसमें भक्त चंदन का लेप तैयार करते हैं, जिसे प्रतिदिन विग्रहों को लगाया जाता है। इसका शुभारम्भ अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर होता है। अक्षय तृतीया एक प्रबल, ऐतिहासिक दिन है जिसे कई लीलाओं के लिए जाना जाता हैः भगवान परशुराम का प्राकट्य, द्रौपदी एवं भगवान् कृष्ण द्वारा अक्षय पात्र लीला का प्रदर्शन, सतयुग का आरम्भ, आदि। भक्तगण इस दिन को अधिक से अधिक आध्यात्मिक गतिविधियों में लगकर अपने आध्यात्मिक श्रेयस को बढ़ाते हुए बिताते हैं।

3. श्रीमती सीता जी का प्राकट्य (29 अप्रैल)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान राम की नित्य संगिनी, श्रीमति सीता देवी, भगवान राम की लीलाओं में भाग लेने हेतु प्रकट हुईं। भगवान् के प्रति उनकी प्रभु भक्ति अनुकरणीय है। सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अतुलनीय है। उनका प्राकट्य अभिषेक, कीर्तन और प्रसादम के साथ मनाया जाएगा।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

---

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM.
Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension.
Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj,
Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham,
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika
Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**